

पापं चरति पूरुषः BHAG. 3, 36. अगुरु° GOBH. 3, 1, 17. R. 3, 31, 27. 4, 8, 23. 37, 14. KĀM. NĪTIS. 6, 12. RAGH. 7, 22. 12, 46. KUMĀRAS. 1, 21. KATHĀS. 3, 41. 13, 141. 17, 50. RĪĀGA-TAR. 4, 116. BHĀG. P. 3, 2, 30. 9, 7, 2. HIT. 112, 10. DAÇAK. in BENF. Chr. 192, 20. BHĀṬṬ. 6, 133. मारुतिं हृतं प्रायुञ्ज् erkor Māruti zum Boten 88. KUMĀRAS. 3, 6. — 4) stellen an (loc.), setzen BUĀG. P. 5, 23, 6. अत्रात्मगतमित्येतत्कविना प्राक्प्रयुक्तम् Schol. zu ÇĀK. 13, 8. समास उपसर्जनसंज्ञकं पूर्वं प्रयोक्तव्यम् Schol. zu P. 2, 2, 30. VOP. 3, 1, 8, 1. legen auf: तस्यार्षास्त्रं धनुषि प्रयुञ्जतः BHĀG. P. 4, 11, 3. — 5) Jmd hinführen zu, auf, bringen in (acc.): प्रयुज्यमाने मयि तां प्रुद्धो भगवतीं तनूम् BUĀG. P. 4, 6, 29. गतिमपवोम् 3, 23, 36. एवं मनः (acc.) कर्म (nom.) वशं प्रयुञ्जे 5, 3, 6. — 6) verbinden mit: प्रमदा मर्त्यान्प्र युनक्ति धोरः AV. 19, 36, 1. — 7) in Thätigkeit setzen, anwenden, gebrauchen; anstellen, vollziehen; feiern (ein Opfer u. s. w.): एते देवास्त्रिः संवत्सरस्य प्रयुज्यन्ते TBR. 1, 6, 2, 2. शक्त्रो शो यज्ञे प्रयोक्तारो TS. 2, 6, 2, 3, 2, 6, 5. सर्वभ्यः कर्मभ्यो यज्ञः प्रयुज्यते 4, 11, 2, 3, 2, 1. पात्राणि (यज्ञपात्राणि प्रयुनक्ति act. P. 1, 3, 64. 8, 1, 15, Sch.; प्रयुनक्ति सुत्रम् VOP. 23, 51.) 6, 3, 11, 1. यज्ञदेव तस्यज्ञं प्रयुञ्जे aus dem Opfer nimmt er was er zum Opfer verwendet TBR. 3, 2, 5, 6, 3, 9, 12. 7, 4, 1. चातुर्मास्यानि ĀÇV. ÇR. 2, 13, 1. 9, 2, 3. ÇAT. BR. 1, 8, 3, 27. 6, 6, 1, 15. KAUC. 7, 8. LĪTJ. 6, 2, 9. 15. 19. प्रयुक्ता- नो पुनरप्रयोगमेके KAUC. 63. एष एतेषां पशूनां प्रयुक्ततमो यदज्ञः am meisten gebraucht AIR. BR. 2, 8. गोदानार्थं (°र्थ ed. Bomb.) प्रयुञ्जीत रोहिणीम् MBH. 13, 3669. वाहिनीम् RAGH. 11, 5. BHĀG. P. 1, 10, 32. आसनम्, यानम्, संधिम्, विद्यकम्, द्वैधम्, संश्रयम् M. 7, 161. 8, 130. साम, दानम्, भेदम्, दाडम् JĀĒS. 1, 345. 355. MBH. 4, 690. 5, 301. R. GORR. 2, 6, 25. 89, 1. KATHĀS. 34, 200. नीतिम् 3, 44. 16, 55. 46, 133. विद्याम् einen Zauberspruch 33, 99. 42, 35. 46, 111. fg. 120, 56. BUĀG. P. 9, 24, 32. मायाम् 4, 10, 29. M. 7, 104. R. 6, 7, 8. कुशस्त्रम् SUÇR. 1, 94, 15. 134, 15. HARIV. 8437. ÇRUT. 6. 23. Spr. 1322. 4932. KATHĀS. 30, 99 (act.). BHĀG. P. 4, 18, 3. MĀRK. P. 41, 12 (act.). Schol. zu KAP. 1, 62. अयेत्ययं शब्दे ऽधिकारार्थः प्रयुज्यते SARVADARÇANAS. 133, 9. 13. गृणातिस्त्ववपूर्वा न प्रयुज्यत एव ist nicht im Gebrauch PAT. zu P. 1, 3, 51. सदावे साधुभावे च सदित्येतत्प्रयुज्यते BHAG. 17, 26. क्रियाः सम्पक्प्रयुक्ताः vollzogen PRAÇNOP. 5, 6. अर्घी प्रयुञ्जहे (so ed. Bomb.) MBH. 2, 1384. 5, 7466. गुरुपूजाम् 3, 1835. 13, 4901. VARĀH. BRH. S. 43, 41. 48, 73. नमस्कारम् MBH. 3, 2206. सत्क्रियाम् KUMĀRAS. 3, 32. 39. 6, 52. परिचर्याः BUĀG. P. 4, 8, 58. अग्निष्मृष्टाम् M. 2, 248. यज्ञम् 3, 152. आह्वानम् MBH. 13, 3670. प्रयुक्त्याणिप्रकृणापचौरा RAGH. 7, 86. मणिः प्रयुक्तसंस्कारः 3, 18. शास्त्रम् VARĀH. BRH. S. 46, 3. 17. 48, 82. अग्निहोत्रम् HARIV. 13373. कर्माभिकारिकम् RĪĀGA-TAR. 6, 121. नीराज्ञनाविधीन् RAGH. 17, 12. आर्द्रा- ज्ञतारोपणम् 7, 25. बलिम् VARĀH. BRH. S. 39, 11. प्रयुक्तं रान्तैः सृ। वै- र्म् begonnen, unternommen R. 3, 67, 12. PRAB. 33, 11. न खलु मया प्र- युक्तामिदम् nicht ich habe es ja angestellt MĀLAV. 19. अधिनेपापमानादेः प्रयुक्तस्य परेणां zugefügt SĪH. D. 93. कौर्यं मे त्वयि प्रयुक्तम् ÇĀK. 107, 1. सुप्रयुक्तस्य दम्भस्य wohl ausgeführt Spr. 3271. aufführen (ein Schauspiel u. s. w.): मृच्छकटिकं नाम प्रकारं प्रयोक्तुम् MĀKĪH. 1, 11. bewirken, her- vorbringen SARVADARÇANAS. 126, 15. 127, 1. 132, 22. प्रयुञ्जन्भयमिन्द्रयोधि- ताम् BUĀG. P. 8, 13, 23. ये प्रचलैर्विलोचनैस्तवान्तिसादृश्यमिव प्रयुञ्जते Ku- mĀRAS. 3, 33. आरौहणार्थं नवयौवनेन कामस्य सोपानमिव प्रयुक्तम् 1, 39. handeln, verfahren: अय माठव्यं प्रति (माठव्ये v. l.) भवता किमेवं प्रयु-

क्तम् ÇĀK. 93, 13. — 8) ausleihen, borgen (zum Vortheil anwenden) M. 8, 49. 146. JĀĒS. 2, 44. अप्रयुज्यमान (das folgende प्रयोजनत्पक्त als Glosse zu streichen) PAÑĀT. ed. orn. 3, 17. — 9) pass. entsprechen, am Platze sein: तादृग्भार्यायां मृतायामुत्सवः कर्तुं प्रयुज्यते PAÑĀT. 224, 24. तदेवाप्रयुक्तम् ed. orn. 60, 4. नीतिविधिप्रयुक्ता (सिद्धिः) Spr. 145. अनुष्ठितं प्रयुज्यते सिद्धये so v. a. führe zum Ziele MĀLAV. 43, 10. — Vgl. प्रयुक्ति, प्रयुञ्, प्रयोक्तारु fg., प्रयोगिन्, प्रयोग्य fg., प्रयोक्तव्य. — caus. 1) werfen, schleu- dern, abschieszen: अस्त्रम् MBH. 3, 11988. मयि 3, 7171. 7292. आशिषः Segenswünsche hersagen R. GORR. 2, 17, 13. पितुः पुत्राय वद्वेषो मरणाय प्रयोजितः ausgelassen BUĀG. P. 7, 4, 46. मनः den Geist auf einen Punkt richten ÇVETĀÇV. UP. 2, 10. — 2) Jmd antreiben, anweisen, absenden BUĀG. P. 5, 3, 17. SADDH. P. 4, 18, a. अरण्ये in den Wald weisen VP. bei MUIR, ST. 1, 147, 4. Jmd an ein Geschäft stellen: मा स्म लुब्धाश्च मूर्खाश्च का- मार्येषु प्रयुज्यतः MBH. 12, 2722. — 3) anwenden, gebrauchen MBH. 18, 116. SUÇR. 2, 363, 20. ÇRUT. 14. KĀM. NĪTIS. 7, 54. 17, 60. 19, 35. SĪH. D. 293. 432. Verz. d. Oxf. H. 103, b, 25. SADDH. P. 4, 18, a. SARVADARÇANAS. 100, 17. üben, erweisen: आनुशंस्यम् M. 3, 112. भगवति भक्तियोगः प्रयो- जितः BHĀG. P. 1, 2, 7. 3, 32, 23. नाज्ञतबलवीर्येषु पुमान्किंचित्प्रयोजयेत् Spr. 1522. unternehmen, beginnen: अनुतिष्ठेत्समारब्धमनारब्धं प्रयोज- येत् KĀM. NĪTIS. 11, 57. वृद्धिम् Zinsen nehmen M. 10, 117. प्रयोगम् Geld auf Zinsen geben SADDH. P. 4, 35, b. 36, a. aufführen, darstellen HARIV. 8436. fg. एक एक सूत्रधारः सर्वे प्रयोजयति SĪH. D. 129, 17. 163, 12. dar- stellen lassen von (instr.) UTTARAR. 86, 18 (111, 7). — 4) bezwecken P. 6, 3, 62, Sch. — 5) zur Anwendung kommen gaṇa 1. नुभादि zu P. 8, 4, 39. — 6) Jmd (dat.) Etwas (acc.) übertragen: साधैवार्थं ततो लिप्सेत्कर्म चा- स्मै प्रयोजयेत् MBH. 3, 1256. — desid. anzuwenden Willens sein: शब्दा- न्प्रयुज्यमाणः PAT. in MAHĀBH. S. 52.

— अतिप्र abschliessen von (instr.): यथा यूयमन्या वै अन्यामति मा प्रयुक्त TS. 4, 3, 11, 4. सर्वेष्वेवैमिन्द्रियोपाति प्रयुञ्जे 7, 2, 3, 4.

— अनुप्र med. 1) hinten anfügen, anfügen nach (abl.) P. 3, 1, 40. 1, 3, 63, Sch. VOP. 8, 56. — 2) verfolgen, einholen: पश्चादनुप्रयुञ्जे तम् AV. 11, 2, 13. TBR. 1, 8, 1, 1. 3, 9, 2, 1. ÇAT. BR. 13, 1, 4, 1. 2, 5, 1. sich anschlies- sen, nachfolgen: भोगो अनुप्रयुञ्जामिन्द्र एतु पुरोगवः AV. 12, 1, 40. — Vgl. अनुप्रयोग.

— अभिप्र med. anfassen, angreifen, bemeistern: देवास्तृतीयसवना- त्प्रातःसवनमभिप्रायुञ्जत ÇĀNKH. BR. 14, 5. (असुरान्) देवाश्चातुर्मास्यैर्भि- प्रायुञ्जत TBR. 1, 5, 6, 3. आकृत्या हि पुरुषो यज्ञमभिप्रयुञ्जे TS. 6, 1, 2, 2.

— प्रतिप्र 1) act. anfügen statt eines andern, substituieren PAÑĀT. BR. 7, 10, 8. — 2) med. abtragen (eine Schuld): ऋणं प्रतिप्रयुञ्जानः MBH. 9, 282. ऋणं तत्प्रतियुञ्जानः ed. Bomb.

— विप्र trennen von (instr.) so v. a. berauben: तं प्राणैर्विप्रयुज्य MBH. 1, 6733. pass. getrennt werden von (instr.) R. 2, 33, 20 (22 GORR.). विप्र- युक्तं nicht in Conjunction stehend mit VARĀH. BRH. S. 47, 17 (v. l. वि- प्रमुक्त). getrennt MBH. 3, 2647. रमिणा R. 1, 22, 8. 4, 19, 19. VARĀH. BRH. S. 104, 42. अक्ला° MEGH. 2. बन्धन° frei von MĀKĪH. 143, 5. मणि° ohne — seiend VARĀH. BRH. S. 81, 36. सर्वतः entblösst von Allem MBH. 1, 3631. आकौरिर्विप्रयुक्तार्थाः keine Reichthümer aus Minen beziehend HARIV. 2873 (आकौरि° die neuere Ausg.; NILAK. hat सुकौरि° gelesen: